बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज की ओर से माननीय पथ निर्माण मंत्री, बिहार श्री नीतीन नवीन को समर्पित ज्ञापन के प्रमुख बिन्दुएं

बिहार सरकार के माननीय मंत्री के रूप में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज में प्रथम आगमन हो रहा है । यह अवसर आपके अभिनन्दन का है परन्तु इस अवसर का लाभ उठाते हुए राज्य की सड़कों एवं पुलों से संबंधित कुछ प्रमुख बिन्दुओं पर आपका ध्यान दिलाना चाहेंगे जो निम्न हैं :–

1. गॉधी सेतु के पश्चिमी लेन का पुनर्वास कार्य के पूरा होने से बिहार के व्यवसायियों एवं उद्यमियों को राहत हुई है, साथ ही इसका उद्घाटन जो दिनांक 31 जुलाई 2020 को संपन्न हुआ, के अवसर पर बिहार के लिए घोषित अन्य बड़ी परियोजनाएं यथा – गॉधी सेतु के समानान्तर पुल एवं गंगा नदी पर अन्य पुल के साथ–साथ राज्य के विभिन्न सड़कों का फोर लेन में परिवर्तन सरकार का एक स्वागत योग्य कदम है । इससे राज्यवासी लाभान्वित होंगे परन्तु इसके पूरा होने में 5 से 10 साल का समय लगेगा । अत: यदि निम्नांकित योजनाओं को शीघ्र पूरा कराया जाए तो बिहारवासियों को तत्काल राहत मिलने लगेगी तथा कोविड के इस विषम परिस्थिति में उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच व्यवसायिक गतिविधियों में और तेजी आने के साथ–साथ लोगों को भी आने–जाने में सुविधा होगी :–

   (क) मोकामा में गंगा नदी पर स्थित राजेन्द्र सेतु रेल–सह–सड़क पुल के रोड डेक का अविलम्ब मरम्मत एवं पुनरूद्धार का कार्य भारतीय रेलवे या किसी अन्य संवेदक के माध्यम से पूरा कराकर पुल को मालवाहक वाहनों के लिए खोला जाना चाहिए । इसके लिए NHAI से बात किया जाना चाहिए कि यदि वे तैयार नहीं हों तो बिहार सरकार को अपने खर्चे पर इसका मरम्मत कर मालवाहक वाहनों एवं बसों के परिचालन के लिए खोला जाना चाहिए क्योंकि पटना के बाद 300 किलोमीटर दूर भागलपुर में गंगा पर पुल है । वर्तमान में उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार जानेवाले खाली मालवाहक वाहनों एवं बसों के लिए राजेन्द्र सेतु को खोला जाना चाहिए ।

   (ख) हाजीपुर और छपरा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के फोरलेनिंग का कार्य कुछ तकनीकी कारणों से पूरा नहीं हो सका है । इस संबंध में संवेदक के साथ बैठक कर समाधान

क्रमश:.....2

निकाला जाना चाहिए । बिहार सरकार द्वारा गंगा नदी पर आरा एवं छपरा के बीच फोरलेन पुल का निर्माण किया गया है जो कि हाजीपुर–छपरा राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ती है परन्तु पुल के उत्तर की ओर सड़कों की स्थिति काफी दयनीय है । वाहन पलट जाते हैं जिससे रास्ता बन्द हो जाता है और कई दिनों तक लम्बा जाम लग जाता है जिससे काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और वस्तुओं की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती है । अत: पुल के उत्तर की ओर की सड़क जो राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ती है उसे विशेष फंड के माध्यम से अविलम्ब मरम्मत कराया जाए ।

(ग) गंगा नदी पर मुंगेर–खगड़िया रेल–सह–सड़क पुल का निर्माण 2016 में किया गया था और रेलवे की आवाजाही प्रारम्भ हुई थी परन्तु अभी तक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा रोड डेक और एप्रोच रोड को पूरा नहीं किया गया है । इसे भी अविलम्ब पूरा किया जाना चाहिए जिससे कि मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रारम्भ हो सके ।

2. वर्तमान में गॉधी सेतु के पश्चिमी फलैंक चालू हो गया है एवं पूर्वी फलैंक पर काम चल रहा है इसे समय से पूरा करा कर वाहनों के लिए खोलने की आवश्यकता है । गॉधी सेतु से हाजीपुर एवं उससे आगे छपरा एवं वैशाली जानेवाली सड़क से अतिक्रमण को हटाकर चौड़ीकरण करने की आवश्यकता है ।

(क) गॉधी सेतु के बगल में बननेवाले 4 लेन पुल का कार्य समय से पूरा कराया जाना चाहिए ।

(ख) बिहार सरकार की ओर से गंगा नदी के उपर बननेवाले 6 लेन पुल के निर्माण का कार्य की गति धीमी हो गयी है उसमें तेजी लाकर समय से पूरा कराया जाना चाहिए ।

3. पटना–गया–डोभी, आरा–मोहनिया, नारायणपुर–पूर्णियॉ, रजौली–बख्तियारपुर, पटना–बक्सर, मोकामा–बख्तियारपुर, सिमरिया–खगड़िया, दरभंगा–जयनगर रक्सौल सड़क में चल रहे 4 लेन पथों को शीघ्र पूरा कराया जाना चाहिए ।

4. बक्सर से गाजीपुर एवं मुंगेर से खगड़िया के बीच गंगा नदी पर बन रहे नये पुल के बचे कार्यों को यथाशीघ्र पूरा कराकर इसे चालू काराया जाना चाहिए ।

5. सड़कों की स्थिति में सुधार तथा जल्द मरम्मती के लिए नेटवर्क सर्वे व्हीकल (एनएसवी) के उपयोग का सहरा लिया जाना चाहिए ।

6. पटना शहर का Planned विस्तारित करने के लिए जहानाबद तक चार नये सड़को का निर्माण किया जाना चाहिए । इससे शहर को सही तरीके से व्यवस्थित रूप में बढ़ने का अवसर मिलेगा ।

क्रमश:.....3

7. भविष्य में बढ़नेवाले यातायात का आकलन कर एनएच को 4 लेन या 6 लेन बनाना चाहिए तथा बाईपास के दबाव को कम करने के लिए ज्यादा–से–ज्यादा फलाइओवर का निर्माण कराया जाना चाहिए ।

8. राज्य में पुलों के रख–रखाव हेतु राज्य सरकार की ओर से शीघ्र **पुल रख–रखाव नीति** बनाया जाना चाहिए ।

9. पहाड़ी पर पहले ही यातायात का काफी दबाव था । बैरिया में बस स्टैण्ड प्रारम्भ होने के बाद स्थिति और चिंताजनक हो गयी है अत: यहॉ पर under pass or overbridge का निर्माण शीघ्र कराया जाना चाहिए साथ ही सभी तरह के अतिक्रमण को हटाया जाना चाहिए ।

10. पुलों के नीचे के अवैध कब्जों को अविलम्ब हटाया जाना चाहिए क्योंकि इससे भी वहॉ पर गंदगी फैलती है ।

11. पटना शहर को यातायात जाम की समस्या से निजात दिलाने हेतु यह आवश्यक है कि नया बाईपास के निर्माण का कार्य तेज गति से कराया जाना चाहिए ।

12. वर्तमान समय में राज्य के बहुत सारे ऐसे शहर हैं जैसे – आरा, छपरा, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, भागलपुर, गया, सहरसा, पूर्णियॉ, मुंगेर आदि जो कि नेशनल हाईवे एवं स्टेट हाईवे पर अवस्थित होने के कारण जिला प्रशासन की ओर से सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक उन शहरों में बड़े मालवाहक वाहनों के परिवहन पर प्रतिबंध लगाया जाता है । फलस्वरूप केवल रात के समय में ही मालवाहक वाहन चल पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप माल भाड़ो में वृद्धि हो जाती है । हमें कुछ सदस्यों से यह भी सूचना प्राप्त हुई है कि बिहार में प्रति टन प्रति किलोमीटर सामानों की ढुलाई का जो भाड़ा है वह सबसे अधिक है जिसका प्रतिकूल प्रभाव राज्य के उद्योग, व्यवसाय, कृषि खेती आदि पर पड़ रहा है जो बिहार की उन्नति में बाधक हैं ।

अत: श्रीमान् से अनुरोध है कि राज्य के वैसे सभी शहरें जो स्टेट हाईवे या नेशनल हाईवे पर अवस्थित हैं उनके लिए बाईपास का निर्माण कराया जाना चाहिए और जब–तक बाईपास का निर्माण नहीं होता है तब–तक सड़क पर के सभी तरह के अतिक्रमण जैसे गलत पार्किंग, सड़क पर ठेला लगाकर या सड़क किनारे बैठ कर सामानों की बिक्री आदि पर रोक लगाकर दिन में भी मालवाहक वाहनों का परिवहन को चालू रखा जाना चाहिए ।

13. पटना शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध के कारण पटना के करीब–करीब सभी व्यवसायी बाहर से बड़े वाहनों से अपना सामान ट्रान्सपोर्ट नगर में मंगाते हैं और वहॉ से छोटे–छोटे वाहनों के द्वारा अपने–अपने दुकानों तक लाकर उसकी बिक्री करते हैं । ट्रान्सपोर्ट नगर, पटना राजधानी के व्यवसायियों के लिए एक अति महत्वपूर्ण भंडारण स्थल होने के बावजूद प्रशासनिक अनदेखी की जा रही है । सड़को की स्थिति काफी दयनीय हो

क्रमश:.....4

चुकी है जिसके कारण वाहन पलट जाने पर व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है । अत: अविलम्ब ट्रान्सपोर्ट नगर के सड़को को दुरूस्त किया जाना चाहिए ।

14. ऐसा देखा जा रहा है कि पथ निर्माण की प्रमुख समस्या भू–अर्जन एवं प्रदूषण से NOC का नहीं मिलना है जिसके कारण राज्य में बहुत से पथ निर्माण का कार्य लंबित है । इस संबंध में हमारा सुझाव है कि पथ निर्माण में जो–जो विभाग की सहभागिता होती है उन सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों की एक कमिटी का गठन कराया जाना चाहिए जिससे कि सड़क निर्माण में आनेवाली सभी बाधाओं को एक साथ दूर किया जा सके ।

15. हम आपका ध्यान एक विशेष मामलों की ओर दिलाना चाहेंगे बिहार में 12 चक्का के उपर के मालवाहक वाहनों के माध्यम से गिट्टी एवं बालू के परिवहन को निषेध कर दिया गया है । इधर में बिहार सरकार के खनन एवं भूतत्व विभाग, पुलिस प्रशासन एवं एमवीआई की सख्ती के उपरान्त ओवरलोडिंग बन्द हो चुका है । ऐसी परिस्थिति में 12 चक्का या उससे नीचे की क्षमतावाले मालवाहक वाहनों से गिट्टी एवं बालू की ढुलाई होने से सड़क निर्माण, रेलवे से संबंधित निर्माण कार्य एवं भवन निर्माण के कार्यों में पर्याप्त मात्रा में मैटेरियल नहीं मिल पा रहा है । फलस्वरूप सामानों की कीमतें ज्याद लग रही है एवं निर्माण के कार्यों की गति धीमी पड़ रही है साथ ही बिहार के आर्थिक विकास की गति में बाधा हो रही है ।

अत: आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए राज्य में बालू एवं गिट्टी के परिवहन हेतु 12 चक्का के उपरवाले मालवाहक वाहनों को भी माल ढुलाई की अनुमति दी जानी चाहिए । यदि रास्ते में कोई ऐसा विशेष पुल है जो कमजोर हो तो उस पर जाने हेतु निषेध लगाया जा सकता है ।

16. सड़कों के मरम्मत के कारण हर साल सड़क की उॅचाई बढ़ जाने के फलस्वरूप सारे नए पुराने मकान, ऑफिस, दुकान नीचा होता जा रहा है और वर्षा एवं सिवरेज का पानी घर के अंदर आ जा रहा है जिससे गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है । जब से भूगर्भीय नाला बना हे तब से स्थिति और बिगड़ी है क्योंकि नाले में जमा सिल्ट का सही तरीके से नहीं निकाला जाता है ।

17. हमारे पास जो संसाधन मौजूद हैं उसका पूरी तरह से इस्तेमाल किया जाना काफी जरूरी है । यह देखा गया है कि नेश्नल हाईवे एवं स्टेट हाईवे पर लोगों के द्वारा बहुत तरह का अतिक्रमण किया गया है । उसमें से कुछ मामले अनुशासनहीनता का भी है जिसके कारण भी जाम लगता है साथ ही बहुंत सारे अनावश्यक स्पीड ब्रेकर भी अवरोधक हैं । अत: सड़क के किनारे जो भी अवरोधक हैं उसे अविलम्ब हटाया जाना चाहिए जिससे कि सड़कों का सही तरीके से इस्तेमाल हो सके, यह राज्य की उन्नति के लिए परम आवश्यक है ।

18. धनुष ब्रिज से उतरने के बाद सैदपुर जाने के लिए जो सड़क है उसकी स्थिति काफी दयनीय उसका अविलम्ब मरम्मत कराने की आवश्यकता है ।

क्रमश:.....5

19. इंडियन रोड कॉग्रेस का निर्णय है कि जहॉ भी 6 लेन की सड़कें हैं वहॉ पर Pedestrian Crossing, under pass or overbridge अत्यावश्यक होना चाहिए । अत: बेली रोड में Womens College से सरदार पटेल भवन तक जगह–जगह under pass or overbridge का निर्माण कराया जाना चाहिए ।

आशा है कि उद्योग एवं व्यापार के समुचित विकास के साथ–साथ राज्य की आर्थिक उन्नति हेतु हमारे उपर्युक्त सुझावों पर सकारात्मक रूप से विचार करना चाहेंगे ।

****

पटना
दिनांक : 07 अक्टूबर, 2021